ई-संदेश

31 जुलाई, 2025 | अंक 164

सात दिन – सात पृष्ठ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 30 जुलाई, 2025 को लखनऊ में 'सी0एम0 युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025' का शुभारम्भ करके उत्साहवर्धन करते हुए।

- लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भारतीय लोकतंत्र को नया जीवन दिया था
- क्षेत्रीय जनाकांक्षाओं के अनुरूप नई सड़क परियोजनाओं के प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं: मुख्यमंत्री
- अनुशासित और उत्सव प्रदेश के रूप में अपनी पहचान के साथ आगे बढ़ रहा उत्तर प्रदेश: मुख्यमंत्री
- सरकार ने बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण को मजबूत करने के लिए रिकॉर्ड बजट उपलब्ध कराया : मुख्यमंत्री
- शासन और जनप्रतिनिधियों के बीच सशक्त संवाद आवश्यक: मुख्यमंत्री
- चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का लखनऊ कैम्पस प्रधानमंत्री जी के नए भारत एवं विकसित भारत के सपनों को साकार करने का एक नया कैम्पस : मुख्यमंत्री
- उ0प्र0 के सतत और संतुलित विकास में कानपुर मण्डल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री
- परम्परागत कुश्ती प्रतियोगिता पूर्वी उ0प्र0 सहित पूरे उ0प्र0 के लिए एक नया उत्साह व उमंग का प्रतिमान : मुख्यमंत्री
- जॉब देने की सामर्थ्य प्रदान करने का माध्यम बनी है सी0एम0 युवा उद्यमी योजना : मुख्यमंत्री
- राज्य सरकार जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर संवेदनशील: मुख्यमंत्री
- शिष्टाचार भेंट

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भारतीय लोकतंत्र को नया जीवन दिया था

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 24 जुलाई, 2025 को जनपद गोरखपुर में असुरन चौराहे पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा का अनावरण एवं माल्यार्पण किया तथाअसुरन चौराहे के सौन्दर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण भी किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी थे। उन्होंने जीवन्तपर्यन्त भारत और भारतीयता के मूल्यों एवं आदर्शों को आगे बढ़ाने का कार्य किया। इन्हीं मूल्यों एवं आदर्शों की मजबूत नींव पर भारतीय लोकतंत्र टिका है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने अपना जीवन स्वयं के लिए नहीं, बल्कि दूसरों व देश के लिए जिया था।

मुख्यमंत्री जी ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भारतीय लोकतंत्र को नया जीवन दिया था। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार राज्य की सीमा पर स्थित सिताब दियारा गांव में लोकनायक जयप्रकाश नारायण का जन्म हुआ था। यह गांव माँ गंगा व सरयू जी के संगम पर अवस्थित है।

जयप्रकाश जी का अन्तिम समय तक अपने गांव से जुड़ाव रहा। उन्होंने वर्ष 1977 में सरकार से अपने गांव में एक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण की मांग की थी। अपने जीवन के अन्तिम समय में उन्होंने उस स्वास्थ्य केन्द्र का नाम अपनी धर्मपत्नी श्रीमती प्रभावती के नाम पर रखने की मांग की थी। तत्समय की गयी उनकी मांग को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ने जयप्रकाश जी के गांव के उस स्वास्थ्य केन्द्र को 100 बेड का करने के साथ ही, उसका नामकरण उनकी धर्मपत्नी के नाम पर करने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री जी ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी स्मृतियों को जीवन्त बनाने के लिए गोरखपुर जिला प्रशासन, विकास प्राधिकरण, नगर निगम और अन्य संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए प्रतिमा पुनर्स्थापना और बेहतरीन सौन्दर्यीकरण को प्रेरणादायी बताया।

क्षेत्रीय जनाकांक्षाओं के अनुरूप नई सड़क परियोजनाओं के प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 24 जुलाई, 2025 को जनपद गोरखपुर में गोरखपुर एवं बस्ती मण्डल के सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सम्बन्धित विधानसभा क्षेत्रों की आगामी विकास परियोजनाओं एवं प्रस्तावों को लेकर बैठक की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु और क्षेत्रीय जनाकांक्षाओं के अनुरूप नई सड़क परियोजनाओं का प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं। इन प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्यवाही होगी। उन्होंने सड़क निर्माण परियोजनाओं को तय समय-सीमा में पूरा करने और गुणवत्ता में कोई भी समझौता न किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सड़कों को लेकर जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों की प्राथमिकता का निर्धारण जनप्रतिनिधियों की सहमति से हो। जनप्रतिनिधि जिन सड़कों को प्राथमिकता दें, सबसे पहले उनका एस्टीमेट बनाएं और निर्माण कार्य शुरु किया जाए। इसी क्रम में अन्य सड़कों को भी चरणवार बनाया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन सड़कों को सबसे पहले प्राथमिकता दी जाए, जो बड़ीआबादी/क्षेत्र

मुख्यमंत्री जी ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों के सम्बन्ध में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने इसके लिए आवश्यकतानुसार आपदा राहत निधि का भी इस्तेमाल करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जिन मन्दिरों, धार्मिक स्थलों का पर्यटन विकास हुआ है अथवा किया जा रहा है, उन्हें प्रमुख मार्गों से जोड़ने के लिए लोक निर्माण विभाग तत्परता से कार्य करे। इसके लिए कोई जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों को प्रमुखता से लिए जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर और बस्ती मण्डल विकास की नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहे हैं। विकास एक सतत् चलने वाली प्रक्रिया है और जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में होने वाले विकास के ब्रांड एम्बेसडर हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 28 जुलाई, 2025 को श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर, वाराणसी में पावन त्रिवेणी संगम के जल एवं रेत को श्री रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के देवकोट्टई ज़मींदार परिवार न्यास के प्रतिनिधियों को हस्तांतरित करते हुए।

अनुशासित और उत्सव प्रदेश के रूप में अपनी पहचान के साथ आगे बढ़ रहा उत्तर प्रदेश: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 24 जुलाई, 2025 को जनपद गोरखपुर में 26वीं वाहिनी पी0ए0सी0, गोरखपुर में नवनिर्मित बैरक तथा पुराने अस्पताल के स्थान पर नये अस्पताल का लोकार्पण किया तथा नवनिर्मित अस्पताल का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार देश में सेना बाहरी सुरक्षा का दायित्व निभाती है, उसी प्रकार आन्तरिक सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सिविल पुलिस अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज उत्तर प्रदेश दंगा, गुण्डागर्दी, माफिया, उपद्रव से मुक्त होकर एक अनुशासित और उत्सव प्रदेश के रूप में अपनी पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। इसी पहचान को आगे बढ़ाने के क्रम में आज 26वीं वाहिनी पी0ए0सी0 हेतु 11 मंजिले भवन तथा एक चिकित्सा केन्द्र का लोकार्पण सम्पन्न हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में पुलिस प्रशिक्षण की क्षमता केवल 03 हजार थी, किन्तु आज 60,244 पुलिस कर्मी एक साथ पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों एवं पी0ए0सी0 अकादमियों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। सरकार ने प्रशिक्षण क्षमता को काफी बढ़ाया है। आज पूरे प्रदेश में 60,244 नवप्रशिक्षु प्रदेश के 112 प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े हैं। अपने बेहतरीन प्रशिक्षण के माध्यम से यह भविष्य में प्रदेश पुलिस बल का सम्बल बनने वाले हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पुलिस कार्मिकों का स्कूली बच्चों से इंटरैक्शन करवाना चाहिए। हमारे कार्यक्रम बच्चों के बीच में भी होने चाहिए। हमें जनता को पुलिस के इतिहास, ट्रैफिक रुल्स एवं सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या के बारे में भी अवगत कराना चाहिए। सड़क दुर्घटना मे प्रत्येक वर्ष उत्तर प्रदेश में हजारों मौतें होती हैं। सड़क दुर्घटना हम सबके लिए चिन्ता का विषय होना चाहिए। हमें बच्चों एवं जनसामान्य को ब्लैक स्पॉट, ओवर स्पीडिंग आदि की जानकारी देकर ट्रैफिक के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने पुलिस प्रशिक्षुओं को महिला सुरक्षा से सम्बन्धित चुनौतियों की जानकारी पर भी जोर दिया।उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद प्रत्येक महिला सिपाही को गांव या वॉर्ड में एक बीट अधिकारी के रुप में अपनी सेवा देनी है। उन्हें वहां के लोगों से संवाद बनाना पड़ेगा और महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए कार्य करना होगा।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री जी ने बताया कि 02 महीने पश्चात जब उन्होंने लखनऊ में पुलिस लाइन्स का निरीक्षण किया था, तब देखा कि वहां पुलिस जवान टूटे-फूटे बैरकों में रह रहे थे। उसके उपरान्त उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया था कि उत्तर प्रदेश में सुरक्षा को बेहतर बनाने हेतु पुलिस भर्ती के साथ पुलिस प्रशिक्षण एवं आवास सम्बन्धी अवस्थापना सुविधाओं के लिए प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करें। अधिकारियों को प्रदेश की प्रत्येक रिजर्व पुलिस लाइन्स, थाने एवं पी0ए0सी0 वाहिनी में पुलिस कार्मिकां के रहने हेतु बेहतरीन व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे।

मुख्यमंत्री जी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश में हर पुलिस लाइन्स, थाना एवं पी0ए0सी0 वाहिनी में बेहतरीन लॉजिस्टिक उपलब्ध करायी गयी है। आज यहां इसी प्रकार का कार्य हुआ है। अब विभिन्न जनपदों में जो सबसे ऊँची इमारतें दिखायी देती हैं, वह पुलिस की ही होती हैं। यह कार्य प्रदेश में पिछले 08 वर्षों में पुलिस अवस्थापना सुविधाओं में हुई वृद्धि को प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जहां एक तरफ पुलिस अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर पुलिस की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है।

सरकार ने बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण को मजबूत करने के लिए रिकॉर्ड बजट उपलब्ध कराया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 25 जुलाई, 2025 को यहां लखनऊ में ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि संसाधनों की कोई कमी नहीं है। सरकार ने बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण को मजबूत करने के लिए रिकॉर्ड बजट उपलब्ध कराया है। ऐसे में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशकों से उनके क्षेत्रों की आपूर्ति की स्थिति जानने के बाद उन्होंने हर स्तर पर जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ट्रिपिंग की समस्या के निदान हेतु फीडरों की तकनीकी जांच हो, कमजोर स्थानों की पहचान कर तुरन्त सुधार कराया जाए। जहाँ ज़रुरत हो, वहां ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता तुरन्त बढ़ायी जाए, ताकि ओवरलोडिंग की स्थिति न बने। फील्ड से प्राप्त शिकायतों का समाधान समयबद्ध ढंग से हो, ताकि जनता को राहत मिले। उन्होंने कहा कि ट्रिपिंग, ओवरबिलिंग और अनावश्यक कटौती अब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और सुधार करना ही होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हर उपभोक्ता को हर महीने सही समय पर स्पष्ट और सटीक बिल मिलना चाहिए। फॉल्स या ओवरबिलिंग जैसी शिकायतें जन विश्वास को तोड़ती हैं और विभाग की साख को नुकसान पहुंचाती हैं। यह किसी भी स्थिति में नहीं होना चाहिए। बिलिंग एफिशिएंसी बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि अब तक 31 लाख उपभोक्ता स्मार्ट मीटर से जोड़े जा चुके हैं और इस प्रक्रिया को ब्लॉक स्तर तक ले जाने का कार्य तेजी से जारी है।

मुख्यमंत्री जी ने तकनीकी और वाणिज्यिक हानियों (लाइन लॉस) को चरणबद्ध रुप से नीचे लाने का लक्ष्य तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर डिस्कॉम को अपने स्तर पर ठोस रणनीति बनाकर कार्य करना होगा। साथ ही, जहां आवश्यक हो, पारेषण व वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया भी गति पकड़े।

मुख्यमंत्री जी ने कृषि फीडरों के तेजी से पृथक्करण और किसानों को पी0 एम0 कुसुम योजना से जोड़ने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी ट्यूबवेलों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता पर होना चाहिए, ताकि किसानों को स्थायी राहत मिल सके और पारम्परिक बिजली पर निर्भरता कम हो।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बिजली व्यवस्था केवल ट्रांसफॉर्मर और वायरिंग नहीं, यह जन अपेक्षा और शासन की प्रतिबद्धता का दर्पण है। हमारा दायित्व है कि हर नागरिक को यह महसूस हो कि उसे बिना भेदभाव व पारदर्शी तरीके से समयबद्ध बिजली मिल रही है।

शासन और जनप्रतिनिधियों के बीच सशक्त संवाद आवश्यक: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 26 जुलाई, 2025 को यहां लखनऊ में देवीपाटन एवं अयोध्या मण्डल के जनप्रतिनिधियों एवं लोक निर्माण, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक में जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार केवल योजनाएं बनाकर ही नहीं रुकती, बल्कि उन योजनाओं को धरातल पर उतारने और जनता तक लाभ पहुंचाने में भी विश्वास करती है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए शासन और जनप्रतिनिधियों के बीच सशक्त संवाद आवश्यक है। जनप्रतिनिधि शासन और जनता के बीच सेतु की भूमिका निभाते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही की मिसाल बनें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार नगर निकायों को अलग से वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराती है और सी0एम0 ग्रिड योजना के माध्यम से नगरों के समग्र विकास को नई दिशा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि नगर निगम एवं नगर निकाय अपने-अपने क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा करते समय स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अवश्य शामिल करें। मुख्यमंत्री जी ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि जिन नगर निकाय क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों को शामिल किया गया है, वहां पर विशेष ध्यान दिया जाए। इन नए शहरीकृत गांवों में पेयजल, जलनिकासी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता से पूरी करायी जाएं, ताकि नगरीय सुविधा और ग्रामीण पहचान के बीच सामंजस्य बना रहे।

मुख्यमंत्री जी ने जिला मुख्यालयों को 4-लेन और ब्लॉक मुख्यालयों को कम से कम 2-लेन की सड़कों से जोड़ने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सड़कों की चौड़ाई को 3.5 मीटर से बढ़ाकर 5 मीटर किया जा रहा है। इससे न केवल यातायात अधिक सुरक्षित और सुगम होगा, बल्कि आपातकालीन सेवाएं जैसे एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड की पहुँच भी तेज हो सकेगी।

मुख्यमंत्री जी ने पर्यटन एवं संस्कृति विभाग को निर्देशित किया कि प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक पर्यटन स्थल चिन्हित करते हुए वहां पर सौन्दर्यीकरण के साथ-साथ जनसुविधाओं का विकास किया जाए। इससे स्थानीय पर्यटन को बल मिलेगा और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने सेतुओं के निर्माण को प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना से जोड़े जाने के निर्देश दिए। यह योजना विभिन्न अवसंरचनात्मक परियोजनाओं के समन्वय को सुदृढ़ करने का एक राष्ट्रीय मॉडल है। इसके अन्तर्गत सेतु निर्माण कार्यों को तीव्रता से आगे बढ़ाया जा सकता है और वित्तीय संसाधनों का भी समुचित उपयोग सुनिश्चित होता है।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का लखनऊ कैम्पस प्रधानमंत्री जी के नए भारत एवं विकसित भारत के सपनों को साकार करने का एक नया कैम्पस : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री जी 26 जुलाई, 2025 को जनपद उन्नाव में चण्डीगढ़ यूनिवर्सिटी के लखनऊ कैम्पस के उद्घाटन किया। इससे पूर्व उन्होंने देश की पहली ए0 आई0 ऑगमेन्टेड मल्टी डिसिप्लिनरी चण्डीगढ़ यूनिवर्सिटी के लखनऊ कैम्पस के नये सत्र 2025-26 का शुभारम्भ किया। उन्होंने कैम्पस के प्रशासनिक भवन, गैलरी और कैम्पस के डिजिटल मॉडल का अवलोकन किया तथा ए0आई0 के नवीन तकनीकी उपकरणों के संचालन की प्रक्रिया को भी जाना।

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के लखनऊ कैम्पस की एक नई सौगात उन्नाव वासियों को प्राप्त हुई है। यह कैम्पस का उद्देश्य कलम के साथ-साथ देश और इण्डस्ट्री की आवश्यकता के अनुरूप युवाओं की एक नई फौज खड़ा करना है। यह प्रधानमंत्री जी के नए भारत एवं विकसित भारत के सपनों को साकार करने का एक नया कैम्पस है, जो नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत मल्टी डिसिप्लिनरी एजुकेशन केंद्र के रूप में अपने आप को स्थापित करने के जज्बे के साथ आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में नई क्रांति लाने वाली यह यूनिवर्सिटी, निजी क्षेत्र की पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑगमेंटेड मल्टी डिसिप्लिनरी यूनिवर्सिटी है। आज हमें आई0टी0 एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स, हेल्थ केयर, एग्रीकल्चर, स्पोर्ट्स, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग तथा जीवन के अलग-अलग क्षेत्र में हमें विकास के नये मार्ग प्रशस्त करने की आवश्यकता हैं। उसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की विशिष्ट भूमिका है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, लखनऊ उस भूमिका का एक नया केंद्र बिंदु बनने जा रही है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने न्यू एज कोर्सेज के साथ यहां के पुरातन कोर्सेज को ए0आई0 के साथ जोड़कर एक नए अभियान को आगे बढ़ाने की शुरुआत प्रारम्भ की है। यह निजी क्षेत्र, शासकीय क्षेत्र तथा अकादमिक संस्थाओं के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का नया मार्ग प्रशस्त करेगा। मेडिकल, हेल्थ केयर और एग्रीकल्चर के क्षेत्र में ए0आई0 का उपयोग हो सकता है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के इस कैम्पस को इस दिशा में प्रयास करने चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ए0आई0 सिटी स्थापित होने जा रही है। लखनऊ कैम्पस इससे सर्वाधिक लाभान्वित होगा और यहां के छात्र इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर पाएंगे। ए0आई0 सिटी प्रोजेक्ट के तहत प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर लगभग 5,000 रोजगार सृजित होंगे। इसमें 400 से अधिक कम्पनियां आएंगी और आई0 बी0एम0 लखनऊ एक सॉफ्टवेयर

लैब स्थापित कर रहा है, जो जनरेटिव ए0आई0 और एजेंटिक ए0 आई0 टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत सरकार ने हेल्थ केयर, एग्रीकल्चर और सस्टेनेबल सिटी के तीन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस डेवलप करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ किए हैं। इसमें पहला सेंटर एम्स दिल्ली हेल्थ केयर, आई0आई0टी0 इंदौर एग्री हब और आई0आई0टी0 कानपुर सस्टेनेबल सिटीज के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में स्थापित होने जा रहे हैं। स्टार्टअप ईको सिस्टम की दृष्टि से उत्तर प्रदेश आज देश में तीसरे स्थान पर है। क्रियाशील स्टार्टअप्स से 01 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। हमारे पास 08 यूनिकॉर्न भी हैं। सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट की दृष्टि से उत्तर प्रदेश देश में छठे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश आने वाले समय में इस दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज हर एक जनपद में अकादमिक संस्थाओं में नैक मूल्यांकन में अच्छी रैंक लाने की एक नई प्रतिस्पर्धा प्रारम्भ हुई है। इस प्रतिस्पर्धा का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश के 06 विश्वविद्यालयों को 'ए प्लस प्लस' और 02 विश्वविद्यालयों को 'ए प्लस' का ग्रेड प्राप्त हुआ है। एन0आई0आर0एफ0 में भी उनकी रैंकिंग में काफी सुधार हुआ है। एन0आई0आर0एफ0 की रैंकिंग में हमें भी नेशनल और रीजनल स्तर पर टॉप 10 और टॉप 20 में स्थान बनाना होगा। एन0आई0आर0एफ0 की टॉप 20 यूनिवर्सिटी में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का स्थान है। यानी यह दिखाता है कि हमें नई प्रतिस्पर्धा के साथ आगे बढ़ना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 08 वर्ष पूर्व प्रदेश में विश्वविद्यालय बनाने के लिए भेदभावकारी नीतियां हुआ करती थीं। किसी के लिए 100 एकड़, किसी के लिए 20 एकड़, किसी के लिए 50 एकड़। हमने एक साथ व्यवस्था बनाई तो 50 एकड़, शहरी क्षेत्र है तो उसमें 20 एकड़ में हम यूनिवर्सिटी बनाने के लिए सहमति पत्र भी प्रदान करेंगे और उन्हें मान्यता भी प्रदान करेंगे। उनके एक्ट को भी हम उसमें पास करेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 08 वर्षों में प्रदेश में 23 निजी विश्वविद्यालय बने हैं। कुल मिलाकर के अब तक प्रदेश में 47 निजी क्षेत्र के विश्वविद्यालय आज उच्च शिक्षा प्रदान करने के अपने कैम्पस के साथ आगे बढ़े हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे युवा आधुनिक तकनीक का लाभ प्राप्त करें और मॉडर्न एज कोर्सेज के साथ जुड़ सकें, इसके लिए प्रदेश सरकार ने टाटा टेक्नोलॉजी के साथ एम0ओ0यू0 किए हैं, ताकि हम समाज और राष्ट्र की आवश्यकता के साथ-साथ वैश्विक मांग के अनुरूप युवाओं को तैयार कर सकें। संस्कारवान युवा ही एक समर्थ और सशक्त भारत का आधार बन सकते हैं।

उ0प्र0 के सतत और संतुलित विकास में कानपुर मण्डल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 27 जुलाई, 2025 को यहां लखनऊ में कानपुर मण्डल के जनप्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में संवाद करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के सतत और संतुलित विकास में कानपुर मण्डल की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह मण्डल राज्य की औद्योगिक और शैक्षिक रीढ़ के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक चेतना और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का भी केन्द्र है। राज्य सरकार कानपुर मण्डल की औद्योगिक विरासत, शैक्षिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक चेतना को आधुनिक विकास की दिशा में ले जाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ कार्य कर रही है।

बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा कानपुर मण्डल के सभी 06 जनपदों के जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित कुल 1,362 निर्माण कार्यों की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई, जिसकी अनुमानित लागत 10,914 करोड़ रुपये है। इन कार्यों में सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों,बाईपासों, इण्टर-कनेक्टिविटी, मिसिंग लिंक रोड, सिंगल कनेक्टिविटी, धार्मिक स्थलों के विकास, सुरक्षा तथा लॉजिस्टिक्स से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव सम्मिलित हैं। इनमें सबसे अधिक कार्य जनपद कानपुर नगर के लिए प्रस्तावित किए गए, जिसमें 5,006 करोड़ रुपये की लागत से 426 योजनाएं प्रस्तुत की गयीं। जनपद फर्रुखाबाद के लिए 2,476 करोड़ रुपये की लागत से 308 कार्य, जनपद कानपुर देहात के लिए 1,214 करोड़ रुपये के 336 कार्य, जनपद कन्नौज के लिए 1,076 करोड़ रुपये के 98 कार्य, जनपद इटावा के लिए 620 करोड़ रुपये के 128 कार्य और जनपद औरैया के लिए 524 करोड़ रुपये लागत से 66 विकास कार्य सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनप्रतिनिधिगण जनता और शासन के बीच की सबसे भरोसेमंद कड़ी होते हैं।उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनप्रतिनिधियों के अनुभवों और फील्ड इनपुट्स को केवल दस्तावेज स्तर पर न लें, बल्कि उन्हें नीति निर्धारण का सजीव आधार बनाएं।

मुख्यमंत्री जी ने कानपुर मण्डल को 'विकास का अग्रदूत' करार देते हुए विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह मण्डल न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणास्पद मॉडल के रूप में उभरेगा।

परम्परागत कुश्ती प्रतियोगिता पूर्वी उ0प्र0 सहित पूरे उ0प्र0 के लिए एक नया उत्साह व उमंग का प्रतिमान : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 29 जुलाई, 2025 को जनपद गोरखपुर में आयोजित 'प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता' के समापन समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने 'प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता' के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार तथा वीर अभिमन्यु टाइटल विजेताओं को पुरस्कार राशि, गदा व प्रमाण पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नाग पंचमी पर आयोजित होने वाली यह परम्परागत कुश्ती प्रतियोगिता पूर्वी उत्तर प्रदेश सहित पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक नया उत्साह व उमंग का प्रतिमान बन रही है। विगत सैकड़ों वर्षों से आयोजित हो रही इस कुश्ती प्रतियोगिता में पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश के नौजवान ही जुड़ते थे, किन्तु पिछले कुछ वर्षों से इस प्रतियोगिता में कुश्ती को कैरियर के रूप में आगे बढ़ाने वाले युवा भी जुड़ रहे हैं। खिलाड़ी जब प्रोफेशनल रूप से खेल से जुड़ते हैं, तो न केवल अपने परिवार का बल्कि पूरे समाज, पूरे प्रदेश व पूरे राष्ट्र का नाम दुनिया में रोशन करते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में देश में विगत 11 वर्षों में खेल और खेल गतिविधियों में भारी परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने देश के युवाओं और हर उम्र के नागरिकों को खेल एवं खेल गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। खेलो इण्डिया अभियान सहित अन्य खेल कार्यक्रमों की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रही है।विगत 11 वर्षों में प्रदेश के खिलाड़ियों ने ओलम्पिक, राष्ट्रमण्डल खेल, एशियन गेम्स, विश्व चैम्पियनशिप व अन्य राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी खेल की विविध विधाओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में विगत 08 वर्षों में प्रदेश सरकार ने खेल गतिविधियों में वृद्धि, खेल अवस्थापना सुविधाओं में वृद्धि तथा खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए अनेक कार्य किये हैं। प्रदेश सरकार द्वारा ओलम्पिक, कामनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स व अन्य अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सार्वजनिक रूप से सम्मान करने के साथ ही जनपद स्तर, ब्लाक स्तर व ग्रामीण स्तर पर खेलकूद की गतिविधियों में वृद्धि हेतु अवस्थापना सुविधाओं में लगातार वृद्धि की गयी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब गांवों में खेल के मैदान उपलब्ध हैं। सरकार द्वारा ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम, जनपद स्तर पर स्टेडियम बनाने का कार्य किया गया है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा युवक मंगल दल व महिला मंगल दल को स्पोर्ट्स किट उपलब्ध कराये गये हैं। राज्य सरकार द्वारा ओलम्पिक, एशियन गेम्स,

कामनवेल्थ गेम्स में मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश की खेल नीति के तहत नौकरी भी उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। खिलाड़ियों को नौकरी देने में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश सरकार ने अब तक 500 कुशल खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता के साथ सम्मानजनक नौकरी दी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हाल ही में आयोजित पुलिस वर्ल्ड चैम्पियनशिप में उत्तर प्रदेश पुलिस ने देश में प्रथम व विश्व में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। सरकार जब प्रोत्साहित करती है तो हमारा युवा अपनी पूरी ऊर्जा को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में लगा देता है। आज यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार, वीर अभिमन्यु के रूप में इस कुश्ती प्रतियोगिता में भी देखने को मिला है। यहां प्रतिभाग करने वाले 300 खिलाड़ी अभिनंदन के पात्र हैं। जो खिलाड़ी आज सफलता प्राप्त कर रहे हैं, उनके लिए अच्छी बात है, लेकिन जिन खिलाड़ियों ने यहां प्रतिभाग किया, वे भी सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहां आयोजित इस प्राइजमनी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी 300 पहलवानों का सम्मान करने के साथ ही, उत्तर प्रदेश केसरी के अन्तर्गत 80 किलोग्राम से अधिक भार वाले खिलाड़ियों में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः 01 लाख 01 हजार रुपये, 51 हजार रुपये व 21 हजार रुपये तथा गदा के साथ प्रमाण पत्र दिया गया है। उत्तर प्रदेश कुमार के अन्तर्गत 60-80 किलोग्राम भार में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 01 लाख रुपये, 51 हजार रुपये व 21 हजार रुपये तथा गदा के साथ प्रमाण पत्र दिया गया है। 55-60 किलोग्राम भार में वीर अभिमन्यु पुरस्कार के तहत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 51 हजार रुपये, 25 हजार रुपये एवं 11 हजार रुपये तथा गदा के साथ प्रमाण पत्र दिया गया है।

जॉब देने की सामर्थ्य प्रदान करने का माध्यम बनी है सी0एम0 युवा उद्यमी योजना : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 30 जुलाई, 2025 को लखनऊ में 'सी0एम0 युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025' का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सी0एम0 युवा उद्यमी अभियान एक ब्याजमुक्त तथा गारण्टीमुक्त योजना है। नये उद्यमी के रूप में उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनने के इच्छुक प्रदेश के 68 हजार युवाओं को सरकार द्वारा 2,751 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। यह उत्तर प्रदेश की असीमित क्षमता को प्रदर्शित करता है। योजनान्तर्गत सरकार लाभार्थी को 10 प्रतिशत मार्जिन मनी भी उपलब्ध करा रही है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने मशीनरी सप्लायर्स पोर्टल 'यू0पी0 मार्ट' को लॉन्च किया। मुख्यमंत्री जी के समक्ष एम0एस0एम0ई0 विभाग के साथ उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, यू0पी0 नेडा व उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन तथा 14 शैक्षणिक संस्थानों/तकनीकी संस्थानों के मध्य कुल 17 एम0ओ0यू0 का आदान-प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री जी ने कॉन्क्लेव में 150 से अधिक फ्रेन्चाइजी ब्राण्ड, बिजनेस ऑन व्हील्स व मशीनरी पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज यहां सी0एम0 युवा उद्यमी योजना से लाभान्वित 05 उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा किए। सी0एम0 युवा उद्यमी योजना से लाभान्वित युवाओं की सफलता की कहानियों के माध्यम से उनके उत्साह व उमंग को देखा जा सकता है। ऐसे ही अनेक युवा प्रदेश में अलग-अलग सेक्टर में कार्यरत हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारा युवा जब विश्वविद्यालयों में अध्ययन करता है, तो उसे केन्द्र व राज्य सरकार की पॉलिसी की कोई विशेष जानकारी नहीं होती है। जब युवा विश्वविद्यालयों से निकलता है, तो असमंजस की स्थिति में रहता है। उसे विशेष सेक्टर की गहन जानकारी नहीं होती है। बिना किसी प्रशिक्षण के जब वह लोन ले लेता है, तो एक समय के बाद उस पर कर्ज बढ़ता चला जाता है। उसके सामने निराशा आती है। बिजनेस की जानकारी नहीं होने के कारण पलायन करने का मन करता है, लेकिन तब तक देर हो चुकी होती है। ऐसे बहुत से युवा हैं, जो स्वयं का काम शुरू करना चाहते हैं, लेकिन उनके पास पूंजी नहीं होती है। इन सबकी समस्या का समाधान सी0एम0 युवा उद्यमी योजना है।

सी0एम0 युवा ने पूंजी की कमी दूर कर युवाओं के जीवन में परिवर्तन लाया है। इस योजना ने प्रशिक्षण की समस्या का समाधान करते हुए आत्मनिर्भर भारत के प्रधानमंत्री जी के विजन को धरातल पर उतारा है। यह योजना युवाओं को केवल जॉब करने नहीं, बल्कि उन्हें जॉब देने की सामर्थ्य

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सी0एम0 युवा कॉन्क्लेव में एक साथ सभी स्टेक होल्डर एक मंच पर आ गये हैं। लोन मिलने के उपरान्त उद्यम स्थापित करने हेतु मशीनरी की उपलब्धता की जानकारी आयोजित प्रदर्शनी में युवाओं को मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 24 जनवरी, 2018 को 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना प्रारम्भ की गई। इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक जिले के एक उत्पाद को बढ़ावा दिया गया। आज यह योजना पूरे देश में एक ब्राण्ड बन गई है। यह योजना आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बनी है। प्रधानमंत्री जी ने इसे 'वोकल फॉर लोकल' का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया है। अकेले इस योजना ने उत्तर प्रदेश के एक्सपोर्ट को 86 हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर 02 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर दिया है। प्रधानमंत्री जी ने इस योजना की सराहना की है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व किसी भी त्योहार पर हमारे बाजार चीन के सामानों से पटे रहते थे। हमारे पैसे से चीन मुनाफा कमाता था। आज उत्तर प्रदेश के बाजार में किसी भी पर्व पर सर्वाधिक सामान 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के बिकते हैं और यहां के उद्यमी उससे लाभान्वित होते हैं। ओ0डी0ओ0पी0 योजना के उपरान्त हमने परम्परागत कारीगरों व हस्तशिल्पियों के सम्मान के लिए 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' प्रारम्भ की। उन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोड़कर टूल किट प्रदान किये गये।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'सी0एम0 युवा' पूंजी, प्रशिक्षण तथा नए आइडिया प्रदान कर युवाओं का मार्गदर्शन कर रही है। उत्तर प्रदेश का मार्केट बहुत बड़ा है। आगामी 25 से 29 सितम्बर तक ग्रेटर नोएडा के इण्डिया एक्सपो सेण्टर में आयोजित होने वाला यू0पी0 इण्टरनेशनल ट्रेड शो प्रदेश के प्रोडक्ट को शोकेस करने का माध्यम है। वहां बायर-सेलर मीट भी आयोजित होती है। पिछले दो संस्करणों में यह ट्रेड शो सफल रहा है। प्रथम वर्ष 04 लाख तथा द्वितीय वर्ष 05 लाख लोग इस ट्रेड शो के सहभागी बने थे। यह उत्तर प्रदेश की क्षमता को प्रदर्शित करने का एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि युवा अपनी स्थानीय आवश्यकताओं को देखें, उससे सम्बन्धित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद लोन के लिए आवेदन करें। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया में किसी को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। सी0एम0 युवा उद्यमी कॉन्क्लेव में प्रदेश के हर जनपद की उपस्थिति होनी चाहिए। अन्य मण्डलों में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कराते हुए इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाए। उत्तर प्रदेश के निजी व राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रत्येक विश्वविद्यालयों के साथ एम0ओ0यू0 होना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं, नीतियों व कार्यक्रमों के साथ युवाओं को जोड़ा जाए। यह उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। यह युवाओं को अपनी डिग्री-डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद रोजगार प्राप्त करने का माध्यम बनेगी। उनकी असमंजस की स्थिति को आसान कर उनका मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान किया कि इस कॉन्क्लेव के माध्यम से 'सी0एम0 युवा उद्यमी विकास अभियान' की जानकारी व प्रशिक्षण प्राप्त करें।

राज्य सरकार जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर संवेदनशील: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को 30 जुलाई, 2025 यहां लखनऊ मण्डल के जनपद लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे 42 विधायकों एवं 05 विधान परिषद सदस्यों ने एक बैठक में अपने-अपने क्षेत्रों से सम्बन्धित प्रमुख नव प्रस्तावित परियोजनाओं, अधोसंरचनात्मक आवश्यकताओं एवं जनअपेक्षाओं से अवगत कराया।उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि राज्य सरकार जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर संवेदनशील है। हर जनप्रतिनिधि जनता की आकांक्षाओं का संवाहक होता है।

मुख्यमंत्री जी ने मण्डल के सभी जनपदों एवं विधानसभा क्षेत्रों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विशिष्टताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक जनपद की अपनी एक अलग पहचान है, जिसे सशक्त करते हुए विकास योजनाओं का समायोजन किया जाना आवश्यक है। इसके दृष्टिगत मण्डल के प्रत्येक जनपद एवं विधानसभा क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि स्पष्ट कार्ययोजना, समयबद्धता, सतत संवाद एवं नियमित फीडबैक ही परियोजनाओं को समय पर और गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने का आधार है।

मुख्यमंत्री जी ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सड़क, दीर्घ सेतु, लघु सेतु, आर0ओ0बी0/आर0यू0बी0, धर्मार्थ स्थलों की सड़कें, फ्लाईओवर निर्माण से सम्बन्धित प्रस्तावों पर जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए वरीयताक्रम के आधार पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही जिला मुख्यालय को चार लेन एवं ब्लॉक मुख्यालय को दो लेन से जोड़ने, चीनी मिल की सड़कें, सिंगल कनेक्टिविटी वाली सड़कों का निर्माण और ब्लैक स्पॉट सुधार के कार्य को शत-प्रतिशत पूर्ण कराएं। इसके अलावा जनप्रतिनिधियों एवं शहीदों के गांवों की सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता पर रखें। हर विधानसभा क्षेत्र में जनहित से जुड़े विकास कार्यों की निरन्तरता बनी रहनी चाहिए, जिससे पिक एंड चूज की संभावना न्यूनतम रहेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अंतर्गत प्रदेश में 1,000 से ज्यादा धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा चुका है। पर्यटन विभाग को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक पर्यटन स्थल का चयन कर, उसके पर्यटन सुविधाओं के विकास की कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री जी ने नगर विकास विभाग को स्पष्ट कहा कि किसी भी परियोजना का प्रस्ताव तैयार करने से पूर्व सम्बन्धित जनप्रतिनिधि से मार्गदर्शन एवं सहमति अवश्य प्राप्त की जाए, ताकि परियोजना क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरुप और सर्वहितकारी सिद्ध हो।

मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सभी बिन्दुओं पर समयबद्ध, समन्वित एवं पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। योजनाओं का भूमिपूजन एवं शिलान्यास आगामी 15 सितम्बर के बाद जनप्रतिनिधियों के कर-कमलों से कराएं। साथ ही, शिलापट्ट पर उनका नाम अवश्य अंकित करें। उन्होंने यह भी कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी अथवा शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। प्रत्येक कार्य का गुणवत्तापूर्ण निर्माण एवं निष्पक्ष मॉनिटरिंग शासन की प्राथमिकता में शामिल है।

शिष्टाचार भेंट

मानीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से 27 जुलाई,2025 को राजभवन में माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने उन्हें श्री एन0 के0 सिंह द्वारा लिखित पुस्तक "परिवर्तन और राजनीति" भेंट की।"

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित